वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-2 | अंक-42 | सागवाड़ा, बुधवार, 26 अक्टूबर, 2022 | भाषा : हिन्दी ई-पेपर | अवधि: (वार्षिक) | मूल्य-10 रु. | पृष्ठ-8

दीपों की रोशनी से दिव्य हुआ गौरेश्वर धाम...

वागड़ तीर्थ गौरेश्वर पर दीपावली के अवसर पर भी दिये लगाये गये और सजावट की गई। 1008 दिये लगाये गये। दोनों घाटों पर दियों से सजावट की गई। दोनों घाट दीपों से जगमगा उठे। साथ ही भव्य आतिशबाजी की गई।

राजस्थान में 20 दिन पहले ही आ गई सर्दी, 5 डिग्री तक गिरा पारा

डूंगरपुर। पहाड़ी क्षेत्रों में हुई बर्फबारी के चलते राजस्थान में सर्दी ने समय से पहले ही दस्तक दे दी है। अक्टूबर से ही सुबह-शाम ठिठुरन महसूस होने लगी है। प्रदेश में शहरों का रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

बीते चार दिन के आंकड़े देखें तो पारा 5 डिग्री तक गिर चुका है। सर्द हवाओं का दौर जारी रहा तो अक्टूबर के अंत तक तापमान गिरकर 9 या 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है।राजस्थान में सर्दी किस तरह बढ़ रही है, यह पिछले 4 दिन की रिपोर्ट बता रही है। सीकर में चार दिन पहले यानी 21 अक्टूबर को न्यूनतम तापमान 15.7 डिग्री सेल्सियस था, जो गिरकर 24 अक्टूबर को 10.5 पर पहुंच गया।

इसी तरह हनुमानगढ़ में न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस था, जो 24 अक्टूबर तक गिरकर 13.1 पर पहुंच गया। इसी तरह राजधानी जयपुर में भी पिछले चार दिन में तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई है। अमूमन जो सर्दी नवंबर के दूसरे सप्ताह से रहती है, इस बार अक्टूबर के आखिरी 10 दिनों में महसूस होने लगी है।

सीकर, चूरू, झुंझुनूं में रात का टेम्प्रेचर सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि तापमान में इतनी जल्दी गिरावट आने के पीछे हाल ही के दिनों में कश्मीर, हिमाचल, लद्दाख के कुछ एरिया में बर्फबारी होना है। हवाओं की दिशा वेस्ट-नॉर्थ से ईस्ट-साउथ है, जो पहाड़ी इलाकों से ठंडक लेकर आ रही है।

भगवान श्रीकृष्ण को 56 भोग लगाने की है परंपरा, आज मंदिरों में अन्नकूट

डूंगरपुर। बुधवार, 26 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा है। इस दिन गिरिराज की पूजा करने की परंपरा है। ये पर्व किसानों और गाय-दूध का व्यापार करने वाले लोगों के लिए महापर्व है। इस दिन श्रीकृष्ण को 56 भोग लगाने की परंपरा है। इसे अन्नकूट भी कहा जाता है।गोवर्धन पूजा पर भगवान श्रीकृष्ण को 56 तरह के भोग चढ़ाने की परंपरा द्वापर युग से चली आ रही है। इस संबंध में देवराज इंद्र और श्रीकृष्ण से जुड़ी एक कथा प्रचलित है। कथा के मुताबिक द्वापर युग में भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया था। बाल गोपाल गोकुल में नंद बाबा और यशोदा के यहां अपनी लीलाएं कर रहे थे। उन दिनों ब्रज के लोग अच्छी बारिश के लिए देवराज इंद्र की पूजा करते थे। श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को ऐसा करने से मना किया और लोगों से कहा, हम लोगों को इंद्र की नहीं, बल्कि गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए। गोवर्धन पर्वत ही गांव के लोगों की जीविका का आधार है। इसी पर्वत की घास, वनस्पतियां खाकर हमारी गायें हमें दूध देती हैं। दूध से हमारा जीवन चलाता है। इस तरह हमारे लिए गोवर्धन पर्वत पूजनीय है। श्रीकृष्ण की बातें मानकर गांव के लोगों ने देवराज इंद्र की पूजा बंद कर दी और गोवर्धन पर्वत की पूजा करने लगे। इस बात से इंद्र क्रोधित हो गए और उन्होंने ब्रज क्षेत्र में तेज बारिश शुरू कर दी। बारिश इतनी तेज हो रही थी कि गांव के लोगों के घर-खेत सब पानी में डूब गए थे। उस समय श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठा लिया। गांव के लोग उस पर्वत के नीच आ गए। लगातार सात दिनों तक देवराज इंद्र ने बारिश की और श्रीकृष्ण ने सात दिनों तक गोवर्धन पर्वत को उठाए रखा और गांव के लोगों की रक्षा की। सात दिन के बाद जब देवराज इंद्र को अपनी गलती का अहसास हुआ तो उन्होंने श्रीकृष्ण से क्षमा मांगी। जब बारिश बंद हो गई तो गांव के लोगों ने श्रीकृष्ण को कुल 56 तरह के पकवान खिलाए थे। एक दिन आठ पहर होते हैं और सात दिनों के कुल 56 पहर हो जाते हैं। इतने समय तक श्रीकृष्ण भूखे-प्यासे रहे और गांव के लोगों की रक्षा की थी। इस उपकार के बदले गांव के लोगों ने श्रीकृष्ण को हर एक पहर के हिसाब से कुल 56 पकवान खिलाए। तभी से श्रीकृष्ण को 56 तरह के भोग लगाने की परंपरा प्रचलित है।

कुल्हाड़ी से हमले में 2 सगी बहन घायल

अहमदाबाद से दीपावली मनाने आई थी गांव, जमीनी विवाद को लेकर हमला

डूंगरपुर। सदर थाना क्षेत्र के छेला खेरवाड़ा गांव में जमीनी विवाद के चलते दीपावली की खुशियां खूनी रंग में रंग गई। दो सगी बहनों पर बदमाशों ने कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। पीड़िता अहमदाबाद में मजदूरी करती हैं और त्योहार मनाने आई थी।सदर थाना क्षेत्र के छेला खेरवाड़ा निवासी सविता (24) और उसकी नाबालिग बहन जया कटारा (16) अहमदाबाद में मजदूरी करती हैं। सोमवार को ही दोनों बहन दीपावली मनाने अपने गांव लौटी थी। दोनों बहन ताऊजी के लड़के के घर दीपावली पर मिलने के लिए गई हुई थी। उसी समय उनके पड़ोसी जयंती, दिलीप, रामलाल, गोविंद और लाली समेत करीब 10 लोगों ने लाठियों और हथियारों से लैस होकर उनके घर पर चढ़ाई कर दी। कुल्हाड़ी से हमले में जया का कंधा कट गया। इसके बाद उसकी बहन सविता पर भी हमला किया तो उसे भी कंधों और हथेली पर चोटे आई। सविता ने फिर भी अधमरी पड़ी बहन को किसी तरह बचाया। इसके बाद हमलावर मौके से भाग छूटे। सूचना पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौका मुआयना किया और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जयपुर में दो दर्जन से अधिक जगहों पर लगी आग

जयपुर। जयपुर शहर में दीपावली पर दो दर्जन से अधिक जगहों पर आग लगने की घटनाएं हुई। इन आग की घटनाओं में लाखों रुपए का सामान जल कर राख हो गया। ग्रेटर और हैरिटेज में कुल 25 जगहों पर आग लगने की घटनाएं हुई। दमकल की टीमों ने समय रहते सभी जगह पहुंच कर आग को कंट्रोल किया।

अच्छी बात यह रही कि किसी भी प्रकार की कोई जनहानी नहीं हुई। जयपुर के हैरिटेज में कल शाम 7 बजे से रात11 बजे तक आग लगने की सूचनाएं आती रही। इस दौरान कई फेक कॉल ने भी दमकल अधिकारियों को परेशान किया। बनीपार्क फायर स्टेशन से निकली दमकल ने दर्जनों स्थानों पर लगी आग को समय पर बुझाया। चौगान स्टेडियम के पास नाहरगढ़ रोड मकान नम्बर 956 मालपानी भवन में अज्ञात कारणों से आग लगी। इस दौरान मकान में रखा लाखों रुपए का सामान जल कर राख हो गया। आमेर के जयसिंहपुरा खोर में बस स्टैंड के पास दुकान में रात 10 बजे आग लगी। इस दौरान दुकान में रखा ढाई लाख का रुपए का सामान जल गया। गुर्जर घाटी में रात 11 बजे नाहरगढ़ पहाड़ी के जंगल में आग लगी।

93 हजार टॉपर स्टूडेंट्स को मिलेंगे टैबलेट

- 3 साल तक फ्री 4त्र इंटरनेट, सोशल साइट्स-फेसबुक नहीं चलेगा

- लैपटॉप की बजाय राजस्थान सरकार की टैबलेट योजना का पूरा ड्राफ्ट तैयार हो चुका है। उसे जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा

जयपुर। बोर्ड परीक्षाओं में टॉपर्स का लैपटॉप पाने का इंतजार खत्म होने वाला है। हालांकि इस बार सरकार लैपटॉप नहीं टैबलेट बांटने की तैयारी कर रही है। खुशखबरी ये है कि टैबलेट केवल 60 हजार नहीं बल्कि 93000 से ज्यादा स्टूडेंट्स को बांटे जाएंगे। यानी कि मेरिट लिस्ट में 30 हजार से ज्यादा नए स्टूडेंट्स को इसका फायदा मिलेगा।बोर्ड एग्जाम के टॉपर्स को लैपटॉप देने की योजना वर्ष 2013-14 से लागू हुई थी। शिक्षा विभाग की इस योजना के तहत राज्य स्तर पर कक्षा 8वीं, 10वीं / प्रवेशिका और 12वीं सभी संकायों में 75% या इससे अधिक मार्क्स लाने वाले प्रत्येक कक्षा के 6 हजार और जिला स्तर प्रत्येक जिले के 100-100 मेधावी विद्यार्थियों को, जिन्होंने 70 फीसदी या इससे अधिक अंक प्राप्त किए है। उनको इस योजना का लाभ दिया जाता है। लेकिन 2018 के सेशन से अब तक एक बार भी लैपटॉप नहीं दिए गए हैं। हर साल जिलेवार लिस्ट तैयार तो की गई, पर शिक्षा निदेशालय ने लैपटॉप खरीदने का प्रोसेस ही शुरू नहीं किया। नतीजा यह रहा कि सेशन 2018-19, 2019-20, 2020-21 के टॉपर्स को अभी तक लैपटॉप नहीं मिल पाए। शैक्षणिक सत्र 2021-22 का रिजल्ट आने के बाद स्कूल शुरू हुए चार महीने हो गए।पिछले तीन सेशन में लैपटॉप पाने वाले पेंडिंग स्टूडेंट्स की संख्या 60 हजार से ज्यादा हो गई है। ऐसे में इस बार योजना में थोड़ा बदलाव कर उसे फ्री टैबलेट योजना कर दिया गया है।

क्योंकि जितनी राशि में 60 हजार लैपटॉप खरीदे जा रहे थे, इतने पैसों में अब 93 हजार टैबलेट खरीदे जाएंगे। चुनावी वर्ष में हुए इस निर्णय का बड़ा आधार ये है कि लैपटॉप की कीमत करीब 22 हजार से 25 हजार रुपए के बीच में आ रही थी, वहीं टैबलेट 10 से 15 हजार रुपए के बीच मिल जाएंगे।

लापता युवक का कुएं में मिला शव

दोस्तों के साथ गया था बाहर, शोर मचाने पर सभी अलग-अलग जगह भागे

डूंगरपुर। चौरासी थाना क्षेत्र के भिंडा गांव में लापता युवक का शव कुएं से मिला है। युवक सोमवार रात को अपने दोस्तों के साथ एक दोस्त से मिलने गया था। इसी दौरान चोर-चोर का हल्ला होने पर चारों वहां से भाग गए। वहीं पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।चौरासी थानाधिकारी भेमजी गरासिया ने बताया की भिंडा फला तलावडी निवासी धनराज पुत्र गंगाराम मीणा ने रिपोर्ट दी है। धनराज मीणा ने बताया कि दिवाली के दिन सोमवार शाम को उनके गांव का ही रहने वाला प्रभु पुत्र पूजा ननोमा उसके घर आया था। रात को घर आने का निमंत्रण देकर गया था। इस पर रात के समय धनराज, उसका बड़ा भाई जीवा, सुभाष और भूरा घोघरा चारों प्रभु के घर जाने के लिए निकले थे। इस दौरान चारों गांव के धर्मा पुत्र हाजा ननोमा के घर के पास पहुंचे ही थे कि धर्मा ने अंधेरे में उन्हें चोर समझते हुए शोर मचा दिया। जिसके बाद चारों लोग वहां से भागे। इस दौरान धनराज और सुभाष साथ भागे, जीवा और भूरा अलग दिशा की ओर भागे। इस दौरान धनराज और सुभाष अपने घर लौट आए। लेकिन धनराज का बड़ा भाई जीवा रातभर घर नहीं आया।मंगलवार सुबह धनराज जीवा को तलाशने के लिए भूरा के घर पहुंचा। तो वहां भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया। जिसके बाद सभी लोग जीवा को ढूंढने के लिए निकले। रास्ते में एक कुएं में धनराज ने देखा तो उसके भाई जीवा के जूते कुएं में थे। जिस पर धनराज को उसके भाई जीवा के कुएं में गिरने का अंदेशा हुआ। ग्रामीणों की मदद से कुएं में जीवा की तलाश की, जहां जीवा का शव पड़ा हुआ था।

जिसके बाद ग्रामीणों ने इस बात की सूचना चौरासी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकाला। वहीं पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गहलोत-पायलट एक मंच पर आएंगे नजर

जयपुर। सियासी संकट के बीच लंबे समय बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट एक साथ नजर आएंगे। कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 26 अक्टूबर को अध्यक्ष का चार्ज संभालेंगे। उनके इस कार्यक्रम में राहुल गांधी भी शामिल होंगे। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा से दिल्ली लौटे हैं। राहुल 27 अक्टूबर से फिर भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ जाएंगे। खड़गे के चार्ज संभालने पर होने वाले कार्यक्रम में देशभर से प्रमुख कांग्रेसी नेता शामिल होंगे। मगर सबसे बड़ा फोकस गहलोत और पायलट पर होगा। मई में उदयपुर में हुए राष्ट्रीय चिंतन शिविर के बाद दोनों किसी कार्यक्रम में साथ नजर आएंगे। खड़गे के कार्यक्रम के लिए एआईसीसी से तमाम पदाधिकारियों को बुलाया गया है। इसके लिए सीडब्ल्यूसी सदस्यों, एआईसीसी प्रभारियों और सचिव को बुलाया गया है। राजस्थान से इस कार्यक्रम में गहलोत, पायलट के अलावा सीडब्ल्यूसी सदस्य भंवर जितेंद्र सिंह, रघुवीर मीणा, गुजरात प्रभारी रघु शर्मा, पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी, यूपी सह प्रभारी धीरज गुर्जर, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेता शामिल होंगे।

राहुल गांधी का राजस्थान में सरकार रिपीट कराने पर ज़ोर

4 दिसंबर को राजस्थान आएगी भारत जोड़ो यात्रा

जयपुर । राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में राजस्थान से भी 9 लोग हैं। ये पहले दिन से यात्रा के अंतिम दिन तक राहुल गांधी के साथ लगातार चलेंगे। राजस्थान से योगेश कुमार मीना, सीता राम लम्बा, शत्रुघन शर्मा, जगदीश बिश्नोई, सरवन गुर्जर, रूबी खान, विवेक भटनागर, विजेंदर महलावत और झाबर शेरावत शामिल हुए हैं।भारत जोड़ो यात्रा 4 दिसंबर के आसपास राजस्थान पहुंचेगी। इस दौरान राजस्थान में वर्तमान सरकार के 4 साल पूरे होंगे। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल यात्रियों से बातचीत में सामने आया कि राहुल गांधी का यात्रा के दौरान भी राजस्थान पर फोकस है। वे लगातार राजस्थान से शामिल यात्रियों और यहां से वहां जाकर शामिल होने वाले नेताओं से राजस्थान में सरकार कैसे रिपीट करवाई जा सकती है, इस पर फीडबैक लेते रहते हैं। राजस्थान कांग्रेस शासित चुनिंदा राज्यों में सबसे बड़ा राज्य है। ऐसे में कांग्रेस इसे खोना नहीं चाहती है। इसी को देखते हुए राहुल गांधी यात्रा में भी राजस्थान पर फोकस बनाए हुए हैं। राजस्थान में 25 सितम्बर को हुई इस्तीफा पॉलिटिक्स के बाद राजनीतिक माहौल बिगड़ने का अंदेशा लगाया जा रहा था। कांग्रेस हाईकमान उस घटनाक्रम के बाद सख्त कार्रवाई के मूड में था। मगर आगामी गुजरात चुनाव और भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान से गुजरने के चलते स्थितियों को नियंत्रण में किया गया। कांग्रेस हाईकमान और सोनिया-प्रियंका गांधी नहीं चाहते कि यात्रा जब राजस्थान में पहुंचे तो कांग्रेस अस्थिर नजर आए।

राजस्थान के 8 शहरों की हवा में घुला जहर

जयपुर। दीपावली की रात हुई जमकर आतिशबाजी से जयपुर समेत राजस्थान के 8 शहरों की हवा में जहर घुल गया। प्रदूषण के स्तर जबरदस्त इजाफा हुआ है। पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा पॉल्यूशन जोधपुर शहर में बढ़ा है। यह पहली बार इस सीजन में रेड जोन में आ गया। जोधपुर में मंगलवार सुबह 8 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) लेवल 300 के पार पहुंच गया। यह दिल्ली एनसीआर के शहरों के बराबर रहा। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) से जारी ताजा आंकड़े देखें तो आज जोधपुर के बाद पाली दूसरा ऐसा शहर रहा, जहां आबोहवा खराब रही। यहां AQI लेवल 262 पर दर्ज हुआ। वहीं, जयपुर में भी कल के मुकाबले AQI लेवल 100 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 257 पर पहुंच गया। राजधानी में करीब 64 फीसदी प्रदूषण बढ़ गया। जयपुर में पॉल्यूशन के बाद सुबह करीब 8 बजे तक आसमान में धुंध देखी गई। हालांकि सूरज निकलने के साथ ही धुंध छट गई और आसमान कुछ साफ हो गया। इससे पहले रात में आतिशबाजी के कारण शहर में जगह-जगह धुआं होने से अस्थमा मरीजों को भी परेशानी हुई। जयपुर में अलग-अलग तीन जगहों पर प्रदूषण का स्तर मापा जाता है, जिसमें आदर्श नगर एरिया में सुबह 8 बजे सबसे ज्यादा 257 लेवल रहा। जबकि पुलिस कमीश्नरेट के आस-पास 255 और शास्त्री नगर में 207 लेवल रहा।

व्रत पर्वों वाला कार्तिक का शुक्ल पक्ष, इन दिनों दीपदान, तुलसी पूजा और तीर्थ स्नान का महत्व

डूंगरपुर। कार्तिक महीने के 15 दिन बीत गए है। अब 25 अक्टूबर से 8 नवंबर तक इसका शुक्ल पक्ष रहेगा। स्नान-दान और पर्व के इस महीने में भगवान भगवान विष्णु और देवी तुलसी की पूजा भी खासतौर से की जाएगी। श्रीकृष्ण ने भी कहा है कि ये महीना मुझे बहुत प्रिय है। इस पूरे महीने दीपदान भी किया जाता है। स्नान-दान और पर्व के महीने के शुक्ल पक्ष की तिथियां कम रहेंगी। यानी ये 14 दिनों का रहेगा। इस दौरान तीर्थों में स्नान और दान किया जाएगा। साथ ही भगवान विष्णु और तुलसी पूजा भी होगी।कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि क्षय हो रही है। इसलिए ये पखवाड़ा 14 दिनों का ही रहेगा। वहीं, आखिरी दिन यानी कार्तिक पूर्णिमा पर चंद्र ग्रहण होगा। ज्योतिषीयों का मानना है कि तिथि क्षय और ग्रहण के साथ महीना खत्म होना देश-दुनिया के लिए ठीक संकेत नहीं है। इससे अंतराष्ट्रीय स्तर पर उथल-पुथल होगी। कुछ देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है। अंतराष्ट्रीय बाजारों में भी बड़े उतार-चढ़ाव होंगे।

ब्रह्ममुहूर्त में नहाने का विधान

महिलाएं कार्तिक महीने में ब्रह्ममुहूर्त में स्नान का संकल्प लेती हैं। इसमें हर दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले उठकर नदियों, झीलों या तालाबों में नहाती है। इस व्रत में घर पर भी पवित्र नदियों का पानी मिलाकर नहा सकते हैं। ब्रह्मवैवर्त, स्कंद और विष्णुधर्मोत्तर पुराण में बताया गया है कि इस तरह स्नान करने से महिलाओं की लंबी उम्र और अच्छी सेहत के साथ ही अखंड सौभाग्य और समृद्धि भी मिलती है। कार्तिक महीने के इस स्नान से जाने-अनजाने हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

महिलाओं के लिए खास शुक्ल पक्ष

26 अक्टूबर, बुधवार को सुहाग पड़वा, अगले दिन भाई दूज, फिर छठ पूजा के तीन दिन और आंवला नवमी जैसे पर्वों पर महिलाएं पति की लंबी उम्र, संतान की सेहत और परिवार की समृद्धि की कामना से व्रत-उपवास करती हैं। इसके बाद देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह होगा। फिर प्रदोष व्रत होगा। इसके बाद 8 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के साथ ये पक्ष खत्म हो जाएगा।